International Journal of Humanities and Social Science Research
ISSN: 2455-2070; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 24-12-2018; Accepted: 27-01-2019
www.socialsciencejournal.in
Volume 5; Issue 1; January 2019; Page No. 108-110

प्रयागराज (इलाहाबाद) के स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय विद्यार्थियों का जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं लघु परिवार के प्रति जागरूकता का अध्ययन

Dr. Deep Mala Singh[1], Dr. Avis Chintamani[2]

[1] Guest Lecturer, Department of Arts and Social Sciences for Women, Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences, Prayagraj, Uttar Pradesh, India

[2] Assistant Professor, Allahabad School of Education, Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology and Sciences Prayagraj, Uttar Pradesh, India

साराशं

हमारे देश में अनेक जटिल समस्याएं हैं जो देश के विकास में अवरोध उत्पन्न करती हैं। जनसंख्या वृद्धि भी भारत की इन्ही जटिल समस्याओं में से एक है। विसंगतियों से हमारे देश की जनसंख्या बढ़ रही है उसे देखते हुए वह दिन दूर नही जब भारत की जनसंख्या चीन से भी अधिक हो जायेगी। अगर वास्तव में हमारा राष्ट्र प्रगति चाहता है तो हमारे युवा वर्ग जो हमारे देश का भविष्य हैं, जिसमें महिलाओं एवं पुरूषों का समान योगदान आवश्यक है। अतः शिक्षा के माध्यम से छात्र एवं छात्राओं को लघु परिवार के लिए परिवार नियोजन एवं जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में जागरूकता लाना आवश्यक है, क्योंकि स्नातक एवं परास्नातक स्तर के पश्चात ही युवा वर्ग का एक बड़ा समूह वैवाहिक जीवन में प्रवेश करता है। जिसका जनसंख्या वृद्धि में बड़ा योगदान है।

वर्तमान शोध में स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय छात्र एवं छात्राओं की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं लघु परिवार के प्रति जागरूकता को खोजने का प्रयास किया गया है। उक्त शोध में प्रयागराज (इलाहाबाद) जनपद के पांच विभिन्न महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय 250 छात्र एवं 250 छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है। शोध में प्रस्तुत शोद्य अध्ययन में आकड़ों के संकलन एवं अभिवृत्ति अध्ययन के लिये टी. एस. शोधी एवं जी. डी. शर्मा द्वारा निर्मित "जनसंख्या शिक्षा एवं लघु परिवार के प्रति अभिवृत्ति मापनी प्रमापीकृत प्रश्नावली" एवं लघु परिवार के प्रति जागरूकता हेतु एम. राजमनिक्म द्वारा निर्मित "फैमिली प्लानिंग एवं बर्थ कन्ट्रोल एप्टिट्यूड स्केल" उपकरणों का प्रयोग किया गया है।

मूल शब्द : जनसंख्या शिक्षा, लघु परिवार, परिवार नियोजन, जागरूकता, स्नातक एंव परास्नातक।

1. प्रस्तावना

मनुष्य प्राचीन काल से ही प्रकृति पर निर्भर रहा है। जैसे–जैसे उसकी बुद्धि का विकास होता गया, वह अपनी आवश्यक्तानुसार अपनी सुख–सुविधाओं के क्षेत्र में कार्य करना आरम्भ कर दिया। सर्वप्रथम मनुष्य ने निवास स्थान का निर्माण किया, फिर खाद्यानों एवं परिवार तथा सुरक्षा की दृष्टि से परिवार में सदस्यों की संख्या बढ़ाना आरम्भ कर दिया। यही वृद्धि आज जनसंख्या विस्फोट का रूप धारण कर चुकी है। वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या 1. 7 करोड़ प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। जनसंख्या विस्फोट के कारण बेरोजगारी, भूखमरी, गरीबी, भ्रष्टाचार आदि के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक समस्याएं भी गम्भीर रूप ले कर सामने आने लगी हैं, जैसे–बालश्रम, बाल अपराध, युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन में वृद्धि, अश्लील चलचित्रों एवं यौन शोषण तथा अपराधों में वृद्धि, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं में वृद्धि आदि। भारत की जनसंख्या 1951 में 3 करोड़ 61 लाख के लगभग थी, वर्ष 2001 में 1 अरब 28 लाख के लगभग एवं वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 1 अरब 21 करोड़ के लगभग हो गयी है।

अतः उपर्युक्त समस्याओं को देखते हुए जनसंख्या शिक्षा की अनिर्वायता स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। समाजरूपी रथ के दो पहियों में एक पहिया नारी है, अतः उसे भी उतना ही सबल एवं सुयोग्य होना आवश्यक है, जितना पुरुष है। यही सबलता और सुयोग्यता महिला सशक्तीकरण की असली पहचान है। एक महिला तभी सशक्त हो सकती है, जब उसमें अपने स्वयं के प्रति, परिवार के प्रति और समाज के प्रति विभिन्न मुद्दों पर निर्णय लेने की क्षमता हो तथा वह समाज में व्याप्त पारिवारिक व सामाजिक समस्याओं के समाधान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सके। परिवार को सीमित करने में महिलाओं की अहम् भूमिका होती है, परन्तु क्या भारतीय परिवार इसका ध्यान रखते हैं कि आज की भावी स्त्रियाँ (छात्राएँ) क्या सोच रखती हैं, वे परिवार नियोजन की युक्तियों के बारे में क्या जानती हैं, क्या निर्णय ले सकती हैं, क्योंकि परिवार चलाने में स्त्रियाँ महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। भारत में तीव्र गति से जनसंख्या वृद्धि हो रही है। इसको देखते हुए परिवार नियोजन अति आवश्यक प्रतीत होता है। ऐसी विशम परिस्थिति में किसी संकट की स्थिति के उत्पन्न होने से पूर्व क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इस ओर जागरूक होकर 'परिवार कल्याण' एवं 'परिवार नियोजन' जैसे महत्वपूर्ण क्रियाकलापों का क्रियान्वयन करना होगा।

जनसंख्या शिक्षा

जनसंख्या शिक्षा एक शैक्षिक कार्यक्रम है जो जनसंख्या अथवा मानव शक्ति या संसाधन से सम्बन्धित है। जनसंख्या शिक्षा में जनसंख्या के आकार जनसंख्या वृद्धि अथवा ह्रास जनसंख्या संरचना, जनसंख्या में लैंगिक अनुपात, विवाह की आयु आदि विषयों का ज्ञान कराया जाता है। जनसंख्या शिक्षा एक ऐसा विषय है जो जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, क्योंकि इसके पाठ्यक्रम की संरचना में परिवार नियोजन पर ही नही बल्की विवाह की उचित आयु, परिवार का आकार एवं परिवार कल्याण, जनसंख्या परिवर्तन एवं संसाधन विकास, शिक्षा एवं स्त्री शिक्षा और उत्तरदायी जनकत्व आदि जैसे प्रमुख विचारों पर भी मुख्य रूप से बल दिया जाता है।

2. अनुसंधान विधि

समस्या के समाधान के लिये वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है जब निश्चित समश्टि में किसी व्यवहार परक गोचर की मात्रा एवं उसके वितरण के लिए अनुसंधान किया जाता है तो उसे सर्वेक्षण विधि कहते हैं। सर्वेक्षण अध्ययन प्रमुखतः घटनाओं, चरों एवं विशेषताओं की वर्तमान स्थिति का वर्णन करते हैं। अधिकतर सर्वेक्षण अध्ययनों में न्यादर्श के आधार पर सम्पूर्ण जनसमाष्टि या उसके बड़े भाग का अध्ययन किया जाता है तथा न्यादर्श का चयन इस प्रकार से किया जाता है कि वह उस समाष्टि का प्रतिनिधित्व करता है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रयागराज (इलाहाबाद) जनपद के स्नातक एवं परास्नातक स्तर के महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों (छात्र–छात्रायें) को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन

प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थिनी द्वारा समस्या के अध्ययन हेतु स्नातक स्तर के 125 छात्र एवं 125 छात्रायें और परास्नातक स्तर के 125 छात्र तथा 125 छात्रायें न्यादर्श के रूप में लिये गये है जिनका चयन यादृच्छिकी विधि (Random method) द्वारा किया गया है। इस विधि में 5 विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयो के छात्र एवं छात्राओं का चयन किया गया है। जिनका विवरण निम्नवत हैः 1. सैम हिग्गिनबॉटम इन्सटीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलाजी एण्ड साइंसेज, डीम्ड यूनिवर्सिटी, नैनी, इलाहाबाद 2. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद 3. हंडिया पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, हंडिया, इलाहाबाद 4. इविंग क्रिश्चन कालेज, इलाहाबाद, 5. हेमवती नन्दन बहुगुणा गवरमेन्ट पी.जी. कालेज नैनी, इलाहाबाद।

शोध के उपकरण

प्रस्तुत शोद्य अध्ययन में आकड़ों के संकलन एवं अभिवृत्ति अध्ययन के लिये निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

1. टी. एस. शोधी एवं जी. डी. शर्मा द्वारा निर्मित जनसंख्या शिक्षा एवं लघु परिवार के प्रति अभिवृत्ति मापनी प्रमापीकृत प्रश्नावली,
2. लघु परिवार के प्रति जागरूकता हेतु M. Rajamanickam द्वारा निर्मित Family Planning and Birth Control Attitude Scale.

सांख्यिकीय विधियां

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थिनी द्वारा उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं ज टेस्ट सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है।

3. परिणाम एवं व्याख्या

इस शोध–कार्य में शोधार्थिनी ने कुछ उद्देश्यों का निर्धारण एवं कुछ परिकल्पनाओं का निर्माण किया था। उन उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं की जांच से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण एवं विवेचन निम्नवत हैः

तालिका 1: स्नातक एवं परास्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं का जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं लघु परिवार के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक विवरण

	न्यादर्श	न्यादर्श का आकार (N)	मध्यमान (Mean)	मानको का विचलन (S.D.)	मानक त्रृटि (S.E.)	t का मान	सारणी का मान (Table Value)
स्नातक एवं परस्नातक स्तर के कुल छात्रों एवं छात्राओं का जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	स्नातक एवं परास्नातक स्तर के कुल छात्र	250	10.82	3.28	0.293	0.33	1.96 (5)
	स्नातक एवं परास्नातक स्तर के कुल छात्रायें	250	10.96	3.37	0.301		
स्नातक एवं परस्नातक स्तर के कुल छात्रों एवं छात्राओं का लघु परिवार के प्रति अभिवृत्ति	स्नातक एवं परास्नातक स्तर के कुल छात्र	250	32.7	3.04	0.272	1.15	1.96(5%)
	स्नातक एवं परास्नातक स्तर की कुल छात्राएं	250	32.2	3.7	0.331		

उपरोक्त तालिका में स्नातक एवं परास्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं का जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं लघु परिवार के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही पाया गया जिससे शून्य परिकल्पना की "स्नातकस्तरीय एवं परास्नातकस्तरीय छात्रों एवं छात्राओं की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं लघु परिवार के प्रति जगरूकता में कोई सार्थक अन्तर नही है" स्वीकृत की जाती है।

4. परिणाम

शोध अध्ययन में निर्मित उद्देश्यों के परिणाम निम्नवत् हैं –

स्नातक एवं परास्नातक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं का परिवार नियोजन एवं जन्म नियंत्रण के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक एवं औसत स्तर की है। दोनो समूहों की अभिवृत्ति परिवार नियोजन कि विभिन्न विधियों एवं जन्म नियंत्रण के प्रति सकारात्मक है, अर्थात स्नातक एवं परास्नातक स्तर के छात्र एवं छात्राएं लघु परिवार के प्रति जागरूक हैं और उनकी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही हैं।

5. निष्कर्ष

स्नातकस्तरीय एवं परास्नातकस्तरीय छात्रों एवं छात्राओं की जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति एवं लघु परिवार के प्रति जगरूकता में कोई सार्थक अन्तर नही है।

इसलिये जनसंख्या शिक्षा एवं लघु परिवार हेतु परिवार नियोजन सम्बन्धी विधियों एवं उनके लाभों तथा जनसंख्या वृद्धि के कारण होने वाले दुष्परिणामों से छात्रों को अवगत कराकर एक बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है और जनसख्या वृद्धि के कारण होने वाले भयानक दुष्परिणामों पर नियंत्रण किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि बहुत ही गम्भीर समस्या है जिसपर गहन चिन्तन अतिआवश्यक है। अतः जनसंख्या शिक्षा द्वारा यह कार्य भली–भांती पूर्ण किया जा सकता है।

6. संदर्भ सूची

1. अमर उजाला, (2011) दैनिक समाचार पत्र, दिनांक 6 अप्रैल, पृष्ठ सं0 1, 04।
2. अग्रवाल, डी. पी. "Attitude Towards Family Planning" मनोवैज्ञानिक परीक्षण संस्थान, यू.एच.बी. 28, संजय ग्राधी नगर, काटन मिल वाराणसी।
3. अग्रवाल, जी. के. (2004) समाज शास्त्र, साहित्य भवन, पब्लिसर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटरस, आगरा।
4. अग्रवाल, एस. एन. (1985) इण्डियन पापुलेशन प्राब्लम्स टाटा मैक्ग्राहिल, नई दिल्ली।

5. इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ओपीनियन (1964) "ए सर्वे ऑफ एवेरनेस एन्ड प्रैक्टिस ऑफ फैमिली प्लानिंग" मन्थली पब्लिक ओपिनियन सर्वे।
6. गुप्ता सुनीता (2013) "स्नातक स्तर पर अध्ययनरत मुस्लिम एवं गैरमुस्लिम छात्राओं का महिला सशक्तीकरण, जनसंख्या वृद्धि एवं परिवार नियोजन के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन" पी.एच.डी. शोध, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र) पृष्ठ सं0 37–79
7. गुप्ता, एस. पी. एवं गुप्ता, अलका (2008) शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन पृष्ठ सं0 326–336।
8. गुप्ता, एस. पी. (2007) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद पृष्ठ सं0 438–446।
9. जनगणना–2011, प्रोविजनल जनगणना आकड़ें एवं ग्राफ (osclkbV%www.censusindia.gov.in)
10. मिश्र, अतुल (2008), "इलाहाबाद नगर के माध्यमिक स्तर के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का जनसंख्या शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन" एम.एड़, शियाट्स इलाहाबाद, पृष्ठ सं0 15–35।
11. द्विवेदी अर्चना (2002) "जनसंख्या शिक्षा के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति का कुछ मनो–सामाजिक चरों के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन" पी.एच.डी. शोध, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र) पृष्ठ सं0 28–30, 101–113।